एपिसोड 12 धारावाहिक "आने वाला कल"

विजन सिस्टम और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस
तीसरी आँख

आलेख: डॉ. आर. एस. यादव
संकल्पना एवं समन्वय: डॉ. बी. के. यादव
हिन्दी रूपांतरण: डॉ. मनीष मोहन गोरे

प्रतिभागी कलाकार
1. प्रो. विवेक (AI के विशेषज्ञ, उम्र 51 वर्ष)
2. डॉ. रितिका (उम्र 45 वर्ष)
3. श्री रंजन (उम्र 21 वर्ष)
4. श्री राकेश (उम्र 23 वर्ष)
5. सुश्री आलिया
6. MITRA (हयूमनायड रोबो)

 # टाइटल सांग का मुखड़ा #

हैलो श्रोताओं ! हम आपके लिए लेकर आए हैं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित विज्ञान धारावाहिक "आने वाला कल"।

 # नरेशन के साथ टाइटल म्यूजिक चलता है #

कार्यक्रम की यह कड़ी विजन सिस्टम यानि नकली आँखों पर आधारित है। हर कड़ी में कोई न कोई सरप्राइज़ है। दरअसल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस किसी जादू से कम नहीं जो हमारी जिंदगी में धीरे-धीरे दाखिल हो रहा है। पिछली कड़ी में आपने सुना कि कंप्यूटर और स्मार्टफोन से बातचीत करना कैसे संभव हुआ है? वैसे तो यह एक जटिल प्रक्रिया है मगर इसे हमारे लिए संभव बनाते हैं वैज्ञानिक।

 # संगीत का एक टुकड़ा #

इस हिस्से में आपको एक और अनोखा सरप्राइज मिलेगा। मरीजों की डायग्नोसिस और खराब प्रोडक्ट्स की पहचान और इसके अलावा अपराधियों की पड़ताल करने के बारे में जानकारी मिलेगी।

 # टाइटल म्यूजिक का एक टुकड़ा / चेंज ओवर म्यूजिक #

दृश्य: कालेज का घंटा बजने की आवाज, आडिटोरियम, माइक से घोषणा और बच्चों का शोर।

घोषणा: हैलो स्टूडेंट्स ! आज हमारे साथ प्रो. विवेक मौजूद हैं। जो स्टूडेंट्स आने वाले नेशनल स्किट और ड्रामा फेस्टिवल में हिस्सा लेने वाले हैं, उनसे अनुरोध है कि वे कालेज आडिटोरियम में रिपोर्ट करें। इस नेशनल टेक फेस्टिवल के बारे में आपसे जरूरी बातें करनी हैं।

 # स्टूडेंट्स का शोर / बातचीत / आपसी चर्चा #

राकेश: है लो रंजन ! आलिया कहाँ है? वो सुबह से दिखी नहीं।

रंजन: फिक्र मत करो। वो अपने प्रोजेक्ट की शूटिंग में व्यस्त होगी (हंसते हुए)।

राकेश: शूटिंग, कैसी शूटिंग? हमें हमारे ड्रामा की स्टोरीलाइन तैयार करनी है।

रंजन: वो कुछ पापुलर ब्रैंड के प्रोडक्ट्स की बात कर रही थी और उसे शायद किसी रेप्युटेड स्टोर से डिफ़ेक्टिव पीस मिल गया था।

राकेश: तो इसमें नया क्या है? शूटिंग का इसमें क्या मामला है?

रंजन: वो एक अलग टाइप की लड़की है। वो जो ठान लेती है, उसे करके छोड़ती है।

(पीछे से)

आलिया: हैलो ! क्या चल रहा है दोस्तों? मेरी चुगली या फिर कोई हाट डिस्कशन (हंसते हुए)।

राकेश: (हंसते हुए) देखो .... प्रोड्यूसर हमारे बीच आ गया है ...

रंजन: नहीं .... नहीं ... वो प्रोड्यूसर कम डायरेक्टर है (हंसते हुए)।

आलिया: रंजन, मज़ाक मत करो। मुझे बताया गया था कि पहला पीरियड खाली है और प्रो. विवेक अपनी रूटीन क्लास, निश्चित शेड्यूल के अनुसार लेंगे।

राकेश: वाव ! तो तुमने टाइम मैनेजमेंट कहाँ से सीखा?

आलिया: नहीं यार ! मैं तो अपने सीक्रेट पोजेक्ट में व्यस्त थी। यह मेरे लिए बेहद जरूरी है और इसे मैं बहुत जल्दी खत्म करना चाहती हूँ।

रंजन: ओ हो, सीक्रेट मैटर? मुझे पता चला कि तुम किसी रिकार्डिंग कम शूटिंग में व्यस्त हो।

राकेश: वह फिल्म इंडस्ट्री के लिए रिहर्सल कर रही है (हंसते हुए)।

रंजन: ये सच है क्या? वैसे हर किसी को अपना प्रोफेशन चूज करने का पूरा अधिकार है (हंसते हुए)।

आलिया: ये क्या नान सेंस है? मैं कनफ्यूज हो रही हूँ। अगर तुम्हें इन्टरेस्ट हो और मेहनत करते हो तो तुम भी फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा बन सकते हो। मुझे भूल जाओ।

रंजन: ना ... बाबा ... ना। यह एक अलग तरह कि इंडस्ट्री है और मैं उसके लिए फिट नहीं। शुशांत की स्टोरी तो पता ही है तुम्हें।

आलिया: हर एक सिक्के के दो पहलू होते हैं। एक अच्छा और दूसरा बुरा। यह तो हमारे ऊपर है कि हम कौन सी चीज को प्रायरटी देते हैं।

रंजन: आडिटोरियम जाने के लिए हम लेट हो रहे हैं। हमारे पास केवल कुछ ही मिनट बचे हैं।

राकेश: मज़ाक छोड़ो रंजन। वहां प्रो. विवेक, टेक फेस्टिवल के बारे में बताएंगे। और तुम सब जानते ही हो कि वे कितने डिसिप्लिन्ड और समय के पाबंद हैं।

रंजन: राकेश, मुझे वो दिन याद है जब उन्हें सिरियस नहीं लेने पर उन्होने हमारी कैसे क्लास ली थी।

आलिया: (हंसते हुए) वाव ! अब तुम मेरी क्लास ले रहे हो, लेकिन अभी प्रो. विवेक के लिए तैयार हो जाओ। वो बहुत स्ट्रिक्ट इंसान हैं। जल्दी करो नहीं तो कई चीजें छूट जाएंगी।

रंजन: तुम्हारी डाक्यूमेंट्री का क्या हुआ?

आलिया: बाद में बताऊँगी, बहुत मजेदार स्टोरी है। तुम्हें मजा आएगा।

 # स्टूडेंट्स का शोर / आडिटोरियम कि ओर चहलकदमी की आवाज #

(एक स्वर में): एक्सक्यूज मी सर !

प्रो. विवेक (तेज आवाज में): एक्स्युज फार व्हाट? देर से आने के लिए या फिर बुरी आदतों के लिए? मैं केवल आप लोगों की भलाई के लिए स्पेशल क्लास ले रहा हूं और आप सब इसे हल्के में ले रहे हो।

आलिया: सर, मुझे इस क्लास के बारे में बस कुछ मिनट पहले ही पता लगा है।

प्रो. विवेक: और आप जेंटलमैन?

रंजन और राकेश: सर, यह पहली बार है, दोबारा हम ऐसा नहीं करेंगे।

प्रो. विवेक: आप सब, इस साल के सबसे खास समारोह में हिस्सा लेने जा रहे हो।

राकेश: यस सर, हम सब उसी बारे में बात कर रहे थे।

प्रो. विवेक: ओके, चलो सब बैठ जाओ।

 # डेस्क / टेबल / कुर्सी की आवाजें #

प्रो. विवेक: स्टूडेंट्स ! आप जानते हो कि इस साल होने वाला नेशनल टेक फेस्टिवल एक अलग तरह का समारोह है। इस बार का थीम बहुत खास है। क्या कोई गेस कर सकता है कि वो थीम क्या है?

 # एक पल के लिए शांति छा जाती है #

(एक स्वर में): सर, हमें नहीं मालूम लेकिन पिछले साल के अनुभव से हम किसी नए टापिक पर विचार कर सकते हैं।

प्रो. विवेक: क्या फील्ड हो सकता है? कुछ सोचा है?

आलिया: सर, एक समस्या है। एक जाने-माने ब्रैंड से कल मैंने एक प्रोडक्ट खरीदा था लेकिन घर पर मेरी मम्मी ने जब वह पैकेट खोला तो उसमें दोयम दर्जे का प्रोडक्ट निकला इसलिए मैंने सोचा है कि उपभोक्ताओं को जागरूक करने और ऐसी स्थिति में क्या करना चाहिए, इसके लिए एक शार्ट डाक्यूमेंट्री मैं बनाऊं।

प्रो. विवेक: बहुत अच्छा... कोई और।

रंजन: सर, किसी नयी टेक्नोलाजी पर हम कोई नाटक कर सकते हैं।

राकेश: आपने अत्याधुनिक तकनीक की बात की थी। तो इस लिहाज से नैनो टेक्नोलाजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे टापिक अच्छे होंगे।

आलिया: सर, पिछले साल का थीम नैनो टेक्नोलाजी था। इसलिए उसे इस साल हमें रिपीट नहीं करना चाहिए।

प्रो. विवेक: सही कहा। कोई और टापिक सजेस्ट करो...

आलिया: AI एक नई तकनीक है। यह आजकल अधिकतर टेक्नोलाजी बेस्ड कंपनियों के लिए सबसे हाट सब्जेक्ट भी है। यह थीम रख सकते हैं सर।

प्रो. विवेक: ओके, आप सबने कई टापिक्स का जिक्र किया। जैसाकि आलिया ने कहा कि हम AI पर कर सकते हैं। यह आपके कैरियर के लिए भी मददगार होगा। AI कंपनियों में इस फील्ड के टैलेंट की कमी है।

रंजन: सर, शुरुआत अच्छी हो तो समझो आधा काम पूरा। तो टापिक क्लियर हो गया और पार्टिसिपेंट्स भी फाइनल हैं। अब हम अपनी तैयारी शुरू कर सकते हैं।

 # स्टूडेंट्स भी हंस रहे हैं #

प्रो. विवेक: आप सब हंस क्यों रहे हैं? ओके, फाइन, हंसना सेहत के लिए अच्छा है लेकिन इसका एक समय होता है। तैयारी का मतलब है कठिन परिश्रम और जब कठिन परिश्रम में सिंसियेरिटी जुड़ जाती है तो फिर कामयाबी निश्चित हो जाती है।

 # एक पल के लिए शांति #

(एक स्वर में): सारी सर !

प्रो. विवेक: यंग स्टूडेंट्स, मैं आगामी टेक फेस्टिवल में बात करने आया हूं। आपका प्रेजेंटेशन किस टापिक पर हो सकता है?

रंजन: सर, हम AI को अपना टापिक चुन सकते हैं।

प्रो. विवेक: दैट इज फाइन। लेकिन एक सिंगल प्रेजेंटेशन में इतने बड़े टापिक को कवर नहीं किया जा सकता।

राकेश: सर, हमने कंप्यूटर लैब में 'MITRA' नामक एक ह्युमनायड रोबो को देखा है। इसका प्रोटोटाइप आपकी टीम द्वारा डिजाइन किया गया था। हम अपनी टीम में उसे ले आना चाहते हैं।

प्रो. विवेक: लेकिन वह तो अब बैंगलोर बेस्ड कंपनी की प्रापर्टी है। कोई दूसरा टापिक सजेस्ट करो। पुअर क्वालिटी के प्रोडक्ट के बारे में कोई बात कर रहा था।

रंजन: सर, आलिया उपभोक्ताओं की जागरूकता पर एक शार्ट डाक्यूमेंट्री पर काम कर रही है।

प्रो. विवेक: क्या हम लोग इस टापिक को नैरो डाउन कर सकते हैं? आलिया कहां है?

आलिया: यस सर, मैं जनजागरूकता के लिए एक शार्ट डाक्यूमेंट्री बनाने की प्लानिंग कर रही हूं। उपभोक्ताओं के क्या अधिकार होते हैं और उनकी रक्षा कैसे हो, इस बारे में मैं इस डाक्यूमेंट्री में बताना चाहती हूं।

राकेश: वो अपने प्रोजेक्ट और प्रोग्रेस के बारे में बता सकती है।

प्रो. विवेक: क्या हम कंज्यूमर राइट्स से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को नहीं जोड़ सकते? आम के आम और गुठलियों के दाम (हँसते हुए)...

आलिया: सर... इन दोनों टापिक्स को जोड़ना बहुत कठिन है। पहला टापिक मुश्किल है और दूसरा टापिक आम आदमी से सीधा जुड़ा हुआ है।

प्रो. विवेक: तुम्हें लगता है कि AI का आम आदमी से कोई लेना देना नहीं है?

आलिया: नो सर, मेरा वो मतलब नहीं है।

प्रो. विवेक: AI का आम आदमी से रिश्ता किसी दूसरे सब्जेक्ट से कहीं ज्यादा है।

आलिया: सर, क्या इस टापिक को थोड़ा डिटेल में समझाएंगे।

प्रो. विवेक: कंप्यूटर साइंस में, AI को मशीन इंटेलिजेंस के नाम से जाना जाता है। इंसानों की बुद्धि से अलग मशीन की बुद्धि के बारे में यहां बात की जाती है। कम शब्दों में, कहा जाए तो यह कंप्यूटर नियंत्रित रोबोट या बुद्धिमानी से सोचने या काम करने का साफ्टवेयर होता है।

आलिया: सर, बिल्कुल रंजन की तरह ....

 # सभी हंसने लगते हैं #

रंजन: ये विषय आजकल का एक हाट टापिक भी है। इससे एक पंथ दो काज हो जाएंगे (हंसते हुए)।

राकेश: सर, मेरे मन में एक सवाल उठ रहा है कि विज्ञान और तकनीक का फायदा एक आम आदमी कैसे ले सकता है?

प्रो. विवेक: मैं उसी बात पर आ रहा हूं। विजन सिस्टम मशीन एक तरह की टेक्नोलाजी है जो किसी कंप्यूटिंग डिवाइस की जांच करती है। स्टील या मूविंग पिक्चर का मूल्यांकन या उनकी पहचान करती है। ये काफी हद तक एक सर्विलांस कैमरे की तरह होता है।

रंजन: सर, क्या ट्रैफिक पुलिस द्वारा रेड लाइट या सड़कों पर इंस्टाल्ड कैमरे की तरह?

प्रो. विवेक: बिल्कुल सही कहा, इसे ठीक उसी जगह लगाया जा सकता है जहां यह विजन सिस्टम यानि नकली आंखें चीजों को पहचानने के लिए इस्तेमाल की जाती हैं। इसमें गलत अनुमान को जाना जा सकता है। यह विजन सिस्टम अपनी गलतियों से सीखता है और लगातार अपने में सुधार करना रहता है।

आलिया: यह टापिक तो बहुत अच्छा है।

प्रो. विवेक: हां, मैं भी यही कहने वाला था। हमारी टीम का थीम विजन सिस्टम हो सकता है।

आलिया: सर, अपने नाटक की स्क्रिप्ट लिखने से पहले हमें इस टापिक को और गहराई से जानना-समझना होगा। और इसमें हमारी टीम को आपके मार्गदर्शन की जरूरत पड़ेगी।

रंजन: मुझे लगता है कि किसी फैक्ट्री के खराब प्रोडक्ट्स या सर्विलांस कैमरा तक ही इसका उपयोग सीमित नहीं होगा।

प्रो. विवेक: हां, ठीक कहा तुमने। इसके उपयोग का दायरा बहुत बड़ा है। तुम्हें मालूम है, मरीजों को डायग्नोज करने के लिए डाक्टर्स, क्लिनिकल एक्सपर्ट सिस्टम का इस्तेमाल करते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि ये वैज्ञानिक तौर पर साबित हो गया है कि आँखों की समस्या जैसे कि मैलिगनेंट मेलानोमा का तेज और सटीक इलाज न्यूरल नेटवर्क कर सकता है।

राकेश: वाव, यह तो एक सुपरमैन जैसा काम करता है।

प्रो. विवेक: विजन सिस्टम एक सुपर ह्यूमन की तरह होता है जो मनुष्य की गलतियों को दूर करता है।

आलिया: कोविड-19 के मामले में डाक्टर्स, मरीजों को आनलाइन परामर्श दे रहे हैं।

प्रो. विवेक: तुमने बिल्कुल सही कहा। विजन सिस्टम असिस्टेंट आनलाइन केयर उपलब्ध कराता है और वायरस से छुटकारे के लिए मरीजों की मदद करता है।

रंजन: एक नाटक लिखने और स्टेज पर उसे परफार्म करने के लिहाज से यह टापिक तो बहुत अच्छा है।

प्रो. विवेक: AI, आज के समय में हेल्थकेयर, कृषि, शिक्षा, फाइनांस, लीगल, मैन्यूफैक्चरिंग, मेडिकल और आयल, गैस जैसे ढेर सारे उद्योगों को मदद कर रहा है।

राकेश: विजन सिस्टम का दायरा बहुत व्यापक है। पुलिस फ़ोर्स में भी इसका उपयोग किया जा सकता है।

प्रो. विवेक: हां राकेश, तुमने सही कहा। एक काम करो, स्क्रिप्ट में इस बात को भी लिखना कि फोरेंसिक एक्सपर्ट या आर्टिस्ट द्वारा बनाए पोर्ट्रेट से एक अपराधी के चेहरे की पहचान कंप्यूटर साफ्टवेयर कैसे कर लेता है।

आलिया: यह सर, सब कुछ स्क्रिप्ट पर निर्भर करता है कि हम किसी टापिक को नाटकीय ढ़ंग से कैसे प्रस्तुत करते हैं? सर, आपकी तरफ से इस टापिक पर कुछ सहायक सामग्री अगर मिल जाए तो एक उम्दा स्क्रिप्ट तैयार करने में हमें मदद मिलेगी।

प्रो. विवेक: जरुर। मेरे ख्याल से स्क्रिप्ट सटीक, दिलचस्प और फैक्ट्स पर आधारित होना चाहिए। इसके अलावा नाटक में एक संदेश होना चाहिए और इसमें अगर व्यंग्य का तड़का हो तो मजा दोगुना हो जाता है।

रंजन: सर, फाइनल प्रेजेंटेशन से पहले हम अपनी स्क्रिप्ट आपको दिखाना चाहेंगे और स्टेज प्रेजेंटेशन के दौरान जो प्रभाव इस्तेमाल करेंगे उसे भी।

प्रो. विवेक: बैकग्राउंड इफेक्ट्स भी बेहद जरूरी होते हैं। ये दर्शक और श्रोता के मन में वास्तविक दृश्य और कल्पना को जीवंत करने में मदद करते हैं।

आलिया: सर, मेरे कंप्यूटर सिस्टम में साउंड इफेक्ट्स का बहुत अच्छा आर्काइव है।

प्रो. विवेक: वेरी गुड ! तो स्टूडेंट्स मैंने आज विजन सिस्टम पर एक बैकग्राउंड इंफार्मेशन बताने की कोशिश की है। MITRA से भी आप सबको कोई न कोई मदद मिल सकती है।

आलिया: सर, अगर हम अपनी टीम में MITRA को रख लें तो कैसा रहेगा? उसकी आवाज और हंसी ऑडीएंस के लिए किसी सरप्राइज से कम नहीं होगी।

प्रो. विवेक: सब कुछ तुम्हारी इमैजिनेशन और क्रिएटिविटी पर निर्भर करता है। मैं आप सबके साथ हूं। ठीक है, अब मैं चलता हूं। अगली बार जल्द ही मिलते हैं।

दृश्य में परिवर्तन: मार्किट का दृश्य / कुछ जादूगर - मदारी सड़क के किनारे अपना जादू और कारनामा दिखा रहे हैं/ दर्शक हंस रहे हैं और आनन्द ले रहे हैं.

रंजन: राकेश... राकेश... प्लीज स्कूटर रोकना। यहां क्या हो रहा है, मुझे देखना है। यहां पर बहुत भीड़ इकट्ठा है। जरुर कुछ मजेदार कारनामा यहां चल रहा है।

राकेश: रंजन... समय कम है, तुम्हे स्क्रिप्ट तैयार करनी है। अगर आज हम शुरू करते हैं तब ही जाकर इसे समय से पूरा कर पाएंगे।

रंजन: चिंता मत करो दोस्त। पहले मुझे मेरे दिमाग में इमैजिनेशन लाने दो, उसके बाद जाकर मैं स्क्रिप्ट पर काम शुरू कर पाऊंगा।

राकेश: पहले हमें सहायक सामग्री और दस्तावेज की स्टडी करना होगा, फिर जाकर हम नाटक का ढ़ांचा और स्टोरीलाइन तय कर सकते हैं।

रंजन: हां, मैं वाही करुंगा, चिंता मत करो। आओ पहले इस जादूगर के जादू का लुत्फ़ उठाते हैं। ये रोड साइड आर्टिस्ट हैं। इनका परफार्मेंस परफेक्ट और कमाल का होता है (हंसते हुए)...

 # मदारी / जादूगर / ड्रम का प्रभाव #

राकेश: वाह, ये लोग कितना अच्छा परफार्म कर रहे हैं। इनकी अभिव्यक्ति गजब की है।

रंजन: न केवल परफार्मेंस, बल्कि इनके कारनामे से एक संदेश भी मिलता है।

राकेश: रंजन, तुम्हारा क्या ख्याल है, हमें इनसे भी कुछ इनपुट लेना चाहिए।

रंजन: विज्ञान और तकनीक किसी अलग तरीके से। मध्यकालीन युग की बात करनी है क्या?

राकेश: क्या तुम प्रो. विवेक की बात भूल गये? मेरा मतलब है कि स्क्रिप्ट सरल और सूचनाप्रद होनी चाहिए।

रंजन: स्टोरीलाइन के बारे में क्यों नहीं हम टीम के सभी मेम्बर्स से बात करें। अगर सभी सहमत हों तो ऐसे ही किया जाए।

राकेश: ठीक है, आलिया को फोन करो और फोन को स्पीकर पर डाल दो ताकि मैं भी उसकी बात सुन सकूं।

 # मोबाइल काल / रिंग टन का प्रभाव #

रंजन: हैलो... आलिया !

(दूसरी तरफ से) आलिया: हां रंजन, कोई मेसेज है क्या?

रंजन: आलिया, हम तुम्हें सिर्फ अपने नाटक की स्टोरीलाइन बताना चाहते थे।

राकेश: मुझे बताने दो कि रंजन के दिमाग में क्या चल रहा है। सड़क के किनारे मदारी और जादूगर जो कारनामे दिखाते हैं, उनके बारे में तुम्हारा क्या ख्याल है? क्या हम इन्हें अपनी कहानी का हिस्सा बना सकते हैं?

आलिया: मगर तुम किसी अनपढ़ व्यक्ति के साथ विज्ञान और तकनीक को कैसे जोड़ सकते हो?

रंजन: अनपढ़ ! लेकिन दूसरे कलाकारों की तरह ये भी अपने हुनर में माहिर होते हैं।

आलिया: क्या तुम अपने आइडिया को कोई रूप दे सकते हैं? आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक उभरती हुई टेक्नोलाजी है और स्क्रिप्ट राइटर को कहानी में इन सभी तत्वों को डालना है। क्या तुम ऐसा कर सकते हो?

रंजन: आलिया, यह काम तुम मुझ पर छोड़ दो, जब मैं इसे पूरा करुंगा तब मैं इसे डॉ. रितिका को दिखा सकता हूं। वे बेहद कोआपरेटिव नेचर की लेडी हैं।

राकेश: चलो हम एक अलग तरीके से काम करते हैं जो बाकी तरीकों से अलग होगा।

आलिया: अगर तुम कांफिडेंट हो तो आगे बढ़ो।

राकेश: रंजन का सुझाव अच्छा है।

आलिया: ये रंजन पर निर्भर करता है कि वह स्क्रिप्ट लिखने में कितना समय लेगा?

रंजन: (हंसते हुए) मेरा दिमाग चलना शुरू हो गया है कि स्क्रिप्ट को किस तरह शेप देना है। डोंट वरी, तुम्हें स्क्रिप्ट इसी हफ्ते मिल जाएगी और हम अगले संडे से अपना रिहर्सल और प्रैक्टिस शुरू कर सकते हैं।

राकेश: देखो... रंजन का दिमाग दौड़ रहा है, वह हमारी टीम का शेक्सपियर है (हंसते हुए)।

आलिया: शेक्सपियर के साथ-साथ तुम उसे एक साइंस कम्युनिकेटर भी मान सकते हो। (हंसते हुए)

राकेश: ठीक है आलिया ! अब हम तुम्हारी परमिशन चाहते हैं। एक बार फिर से गुड बाय और आल द बेस्ट ...

आलिया: बाय एंड हैव ए नाइस टाइम ...

 # मोबाइल की आवजा #

रंजन: राकेश, चलो मदारी के कारनामे की एक और झलक देखते हैं। वो अपने हुनर का माहिर कलाकार है और हम उसके हुनर से कई चीजें सीख सकते हैं।

राकेश: ठीक है, चलो।

रंजन: मैं यही कह रहा था... एक पंथ दो काज (हंसते हुए)...

 # साउंड इफेक्ट और नुक्कड़ नाटक का दृश्य #

राकेश: ठीक है रंजन, हमारा काम हो गया, अब हमें निकलना चाहिए।

रंजन: मैंने स्क्रिप्ट लिखते समय याद रखने के लिए कुछ नोट्स ले लिए हैं। तुम मोटरसाइकिल स्टार्ट करो, मैंने हेलमेट पहन लिया है (हंसते हुए)। सुरक्षा सबसे पहले।

 # मोटरसाइकिल के किक की आवाज, हार्न की आवाज #

राकेश: रंजन अपना संतुलन बनाये रखना। हमें बहुत देर हो गयी है और हमें घर पहुंचने में आधा घंटा लगेगा।

रंजन: मैं ठीक हूं। तुम्हें मेरे बारे में फिक्र करने की जरूरत नहीं है लेकिन मेरी सलाह है कि तुम ट्रैफिक के नियमों का पालन करो। क्योंकि रोड पर जगह-जगह स्पीड कैमरे लगे हैं। वे पुलिस के विजन सिस्टम हैं। सावधान रहो और सुरक्षित रहो।

राकेश: डोंट वरी। मैं रोड के किनारे से ट्रैफिक पुलिस के सभी विजन सिस्टम को नोट कर लूँगा (हंसते हुए)।

रंजन: रुको... रुको... अरे यार तुम मेरे घर का ही रास्ता भूल गए !

राकेश: अरे दोस्त, मेरे दिमाग में फेस्टिवल और हमारा नाटक घूम रहा था... आई एम सारी।

 # मोटरसाइकिल की आवाज #

रंजन: ठीक है दोस्त, हैव ए नाइस टाइम... बाय बाय...

राकेश: बाय बाय...

 # संगीत में परिवर्तन #

दृश्य परिवर्तन: "कालेज आडिटोरियम, स्टूडेंट्स का शोर, क़दमों की आवाज, माइक से एनाउन्समेंट, कभी-कभी माइक की आवाज / इको

 # माइक को ठीक करने का इफेक्ट #

डॉ. रितिका: हैलो... हैलो... क्या आपको मेरी आवाज सुनाई दे रही है?

(एक स्वर में): प्लीज क्या आप आवाज को बढ़ा सकती हैं?

डॉ. रितिका: ओके... ओके... मैं आपकी बात समझ गयी।

 # माइक ठीक करने की आवाज #

डॉ. रितिका: मैं आप सभी का नेशनल टेक फेस्टिवल में स्वागत करती हूं। प्रिलिमिनरी, रीजनल और जोनल स्तर की प्रतियोगिताओं के बाद, फाइनल में हमारे पास पूरे देश से दो दर्जन टीमें हैं।

 # तालियों और सिटी का साउंड इफेक्ट #

डॉ. रितिका: अब मैं स्वागत भाषण के लिए प्रो. विवेक को आमंत्रित करती हूं। वे इस कार्यक्रम के नेशनल कोआरडीनेटर हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जाने-माने एक्स्पर्ट हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस खासतौर पर विजन सिस्टम में उनके काम को दुनिया भर में सराहा जाता है।

 # ताली बजाने का साउंड इफेक्ट #

प्रो. विवेक: हैलो (चेहरे पर मुस्कराहट के साथ)... मैं आप सबका विजन सिस्टम पर आधारित इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में स्वागत करता हूं। आपके साथ होना एक ख़ुशी का पल है। मुझे उम्मीद है कि आप कई नई चीजें सीखेंगे और उनका आनन्द लेंगे। दुनिया बदल रही है। आपने कोविड-19 के दौरान यह देखा और महसूस किया होगा। हमें तेजी से नयी तकनीक के साथ आगे बढ़ना होगा। हमने इस कार्यक्रम को यादगार बनाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। यहां आपको हमारे देश के बेस्ट माइंड्स मिलेंगे।

मैं ज्यादा समय नहीं लूँगा... एक बार फिर से आप सबका स्वागत है।

 # ताली बजाने का साउंड इफेक्ट #

डॉ. रितिका: (धन्यवाद प्रोफेसर)... आपने उत्साह बढ़ाया .. आपको धन्यवाद.. डॉ. विवेक के इंटरेस्ट का फील्ड बहुत बड़ा और दिलचस्प है। अब मैं पहली टीम को स्टेज पर बुलाना चाहूंगी। प्लीज इनका गर्मजोशी से स्वागत करें।

 # स्टूडेंट्स की तरफ से तालियां और हुटिंग #

डॉ. रितिका: ओके.. ओके... इट्स फाइन... कार्यक्रम के दौरान पार्टिसिपेंट्स का उत्साह बढ़ाने के लिए आपको काफी मौके मिलेंगे (हंसते हुए)...

 # संगीत में बदलाव #

दृश्य में बदलाव: स्टेज का सीन, पार्टिसिपेंट्स की चहलकदमी... माइक एडजस्ट करने... रोबोट की विशेष आवाज, स्टूडेंट्स की तरफ से हुटिंग और तालियों की आवाज

 # रोबोट के आवाज का साउंड इफेक्ट #

MITRA **(वाइस माड्यूलेशन / रोबोट की आवाज):** हैलो ! गुड मार्निंग... आप कैसे हैं? आपकी हंसी कितनी खूबसूरत है... मैं आपके चेहरे से अंदाजा लगा सकता हूं (अलग अंदाज में हंसते हुए)...

(दर्शकों की तरफ से): वाह ... ये तो एक यंग मैंन की तरह दिखता है।

MITRA: मैं जवान हूं और हमेशा जवान ही रहूँगा (हंसते हुए)। क्या मेरी स्माइल आपको आकर्षित करती है? (हंसते हुए)

(**दर्शक**): ये हमसे अलग है, लेकिन हमें पसंद है...

MITRA: स्माइल, भगवान का दिया हुआ सबसे अच्छा उपहार है।

 # एक ह्यूमनायड रोबोट की हंसी का प्रभाव #

भगवान ने आपको खूबसूरत चेहरा और मुस्कान दिया है। मैं आपकी तरह हंस सकता हूं लेकिन एंज्वाय नहीं कर सकता। आपके और मेरे भगवान में बस इतना सा ही फर्क है। लेकिन मैं आशावादी हूं। (हा ... हा... हा...)

 # कार्यक्रम का म्यूजिक इफेक्ट #

आलिया: हैलो मिस्टर MITRA ! आप बहुत स्मार्ट देख रहे हैं (हंसते हुए)।

MITRA: ये सब जेनरेशन गैप की वजह से है (हंसते हुए)...

आलिया: जेनरेशन गैप !

MITRA: तुम नहीं समझोगी। मैं अपनी प्रजाति का सबसे नया माडल हूं (हंसते हुए)...

रंजन (हंसते हुए): वाह.. हमेशा पहले। जेनरेशन में सबसे नया होने का मतलब सबसे बुद्धिमान होना नहीं है। मैं भी अपने माता-पिता का सबसे छोटा बेटा हूं, आप सभी की तुलना में सबसे ज्यादा एडवांस हूं (हंसते हुए)...

MITRA: आपका क्या मतलब है जेंटलमैन? कैसा गैप? मैं अभी भी अपने शुरूआती स्टेज में हूं।

आलिया: मिस्टर MITRA. हमारे भगवान ने हमें बनाया और हमने आपको बनाया है। यह भी एक तरह का जेनरेशन गैप है। हम अभी भी विकसित हो रहे हैं और वैसे ही आप भी। जल्द ही आप भी हमारी तरह श्रेष्ठ होंगे (हंसते हुए)...

MITRA: (हिलती हुई आवाज में) मैं जो हूं... लेकिन मैं अपने चेहरे पर भाव नहीं ला सकता (मुस्कराते हुए)...

 # तालियां #

आलिया: मिस्टर MITRA, दर्शकों को कोई परेशानी नहीं है। वे आपकी मुस्कराहट को एंज्वाय कर रहे हैं। आप दर्शकों के चेहरों पर उनकी ख़ुशी का इजहार देख सकते हैं (हंसते हुए)...

 # ताली और हंसी #

MITRA: (हिलती हुई आवाज) लेकिन वह मेरे पास नहीं है.. काश कि वो ख़ुशी मेरे पास होती..

आलिया: ओके जेंटलमैन.. अब मुद्दे पर आते हैं। मैं अपने टीम मेम्बर्स के साथ आपको आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और विजन सिस्टम की नई दुनिया में ले जाउंगी।

MITRA (हिलती हुई आवाज): मिस आलिया, आप भूल रही हैं... मैं भी आपकी टीम का एक सदस्य हूं।

 # दर्शकों के हंसने की आवाज #

रंजन: मिस्टर MITRA सभी के राज और जन्म कुंडली जानते हैं।

राकेश: क्या मजाक है?

रंजन: मैं मजाक नहीं कर रहा हूं। वह एक स्मार्ट मशीन है।

MITRA (कठोर आवाज में): आपने मुझे मशीन कहा। यह शर्मनाक है।

राकेश: दोस्त... रंजन तुम्हारी क्षमता से अनजान है। मेरा मतलब तुम्हारी जन्म कुंडली।

 # ताली #

MITRA: मेरी जन्म कुंडली नहीं, मैं उसके जुते की कुंडली भी बता सकता हूं।

राकेश: प्रिय MITRA, मैं कुछ समझा नहीं?

MITRA: मिस्टर रंजन, आपके जुते ब्रैंडेड और असली देखते हैं। लेकिन असल में ऐसा है नहीं। मेरी आंखें किसी रडार से ज्यादा तेज हैं (हंसते हुए)...

आलिया: वाह... मेरी समस्या का समाधान हो गया।

राकेश: आलिया, अपनी परेशानियों को घर पर छोड़कर आना बेहतर होता है। तुम शो पर हो।

आलिया: ये मेरी नहीं उपभोक्ताओं की परेशानी है।

MITRA: मेरे पास तुम्हारी समस्या का समाधान है। क्या तुम इस बारे में थोड़ा डिटेल में बताओगी।

आलिया: डियर MITRA, पिछले हफ्ते मैंने एक कंपनी की शाप से एक मोबाइल खरीदा था जो ठीक से काम नहीं कर रहा था।

रंजन: इसमें क्या मुश्किल है, दुकान के मालिक से दूसरा मोबाइल लेने को बोलो (हंसते हुए)।

राकेश: मेरे व्यक्तिगत अनुभव से इसमें मुश्किल आती है। दुकानदार तुम्हें मरम्मत के लिए मोबाइल छोड़ कर जाने को कहेगा।

आलिया: तुम ठीक कह रहे हो। लेकिन ये केवल मेरी नहीं बल्कि कई सारे कस्टमर की समस्या है। मालिक गंभीर नहीं था। वह खुद उलझन में था कि इतने सारे कस्टमर एक ही समस्या का सामना क्यों कर रहे हैं।

MITRA: बहुत आसान है... बहाना बनाने का रवैया, मेरा मतलब है कि 'चल जाएगा' वाला एप्रोच (हंसते हुए)...

आलिया: ये संभव नहीं और ऐसा नहीं होगा... बहुत जल्द मैं एक पब्लिक कैम्पेन शुरू करने जा रही हूं... इसके लिए एक डाक्यूमेंट्री बनाने में व्यस्त हूं।

राकेश: दरअसल, फैक्ट्री में प्रोडक्ट्स बहुत बड़ी संख्या में बनाई जाती हैं और कभी-कभी गलती से डिफेक्टिव पिस कस्टमर के पास पहुंच जाता है...

रंजन: हमारे पास बहुत से ऐसे डिफेक्टिव पिस हैं... (हंसते हुए)

राकेश: तुम्हारा मतलब है समस्या खड़ी करने वाले...

रंजन: सिर्फ समस्या ही खड़ी करने वाले नहीं बल्कि मानवता और सिविल सोसाइटी के दुश्मन।

MITRA: अच्छे और बुरे लोग हर जगह होते हैं। ओके, आलिया तुम पब्लिक कैम्पेन की बात कर रही थी। मैं अपने विजन सिस्टम से तुम्हारी प्रोब्लम साल्व कर सकता हूं।

आलिया: हमारी सरकार ने 'उपभोक्ता संरक्षण कानून' के अंतर्गत हमें कई अधिकार दिए हैं और हम अपने अधिकारों के लिए दुकानदार और मैन्युफैक्चरर पर दबाव बना सकते हैं।

रंजन: लेकिन हमारे लिए यह पहचान करना बेहद मुश्किल है कि कौन सा पिस अच्छा है और कौन सा खराब।

राकेश: हमारा MITRA यहां है। मेरा मतलब है कि इसका विजन सिस्टम किसी रडार से कम नहीं है (हंसते हुए)

आलिया: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक, कई इंडस्ट्रीज में विजन एप्लीकेशन में अपनी जगह बना रही है।

MITRA: आपने बिल्कुल सही कहा मिस आलिया (हंसते हुए).. मेरा थर्ड सेन्स कहता है कि इस नयी तकनीक 'विजन सिस्टम' में सभी नयी संभावनाओं के दरवाजे खुल रहे हैं। शुरू में ये मशीन लर्निंग और न्यूरल नेटवर्क के रूप में आता है जो विजन सिस्टम को मदद करता है।

रंजन: 'अब आया ऊंट पहाड़ के नीचे' (हंसते हुए).. मैं ये ही तो कह रहा था, मिस्टर MITRA उसी को दोहरा रहे हैं...

MITRA: जो मैं कह रहा हूं, वो फैक्ट्स पर आधारित है और AI द्वारा सपोर्टेड है.. साथ ही मेरा विजन सिस्टम इसे जस्टिफाई भी करता है।

रंजन: तुमने आपत्ति जताई थी जब मैंने तुम्हें मशीन कहा था, लेकिन अब तुम मेरे शब्दों को सही ठहरा रहे हो।

आलिया: मिस्टर रंजन, अपने विजन टेक्नोलाजी को यहां मत एप्लाई करो (हंसते हुए)

राकेश: जेंटलमैन, चर्चा को न मोड़ें। विजन सिस्टम को कई तरीकों से AI के साथ यूज किया जा सकता है। उनमें से एक इंस्पेक्शन एप्लीकेशन भी है।

MITRA: मेरी तीसरी आँख उसके लिए काम करती है।

रंजन: (हंसते हुए) बड़ा उस्ताद है, तीसरी आँख, मगर वो है कहां?

MITRA: मिस्टर रंजन, मेरा दिमाग गलतियों को पकड़ने के लिए मशीन लर्निंग की मदद से काम करता है। आप नहीं, बल्कि मैं आपकी 'जन्म कुंडली' को जानता हूं (हंसते हुए)...सारा कच्चा चिटठा खोल दूंगा।

 # 'बच के रहना रे बाबा बच के रहना रे बाबा' गाने की ध्वनि #

आलिया: डियर MITRA, तुम हमसे कहीं बेहतर हो। क्या तुम मुझे दुकान के डिफेक्टिव पीस पहचानने में मदद करोगे?

MITRA: बहुत आसान है। यहां मैं अपने रिकाग्निशन स्किल से डिफेक्टिव पीस को पहचान लूंगा।

रंजन: (बड़बड़ाते हुए) अरे बाबा ! खतरनाक बंदा है।

राकेश: मिस्टर MITRA ! मुझे पता लगा है कि जापान में आपका एक ASIMO नाम का सौतेला भाई है। वो यह जानने के लिए लगातार कैमरे का प्रयोग करता है कि उसके आसपास क्या है।

MITRA: मैं उससे बहुत प्यार करता हूँ और उसे मिलने के दिन का इंतजार कर रहा हूँ।

रंजन: तुम्हारा इंतजार खत्म हुआ। तुम्हारी जन्म कुंडली निकालने का दिन आ रहा है (हँसते हुए)

आलिया: रंजन, मामले को मोड़ो मत, MITRA को फालतू बातें पसंद नहीं।

रंजन: (हंसते हुए) मैं बेकार बातें नहीं कर रहा। राकेश कि तरह मैंने भी कहीं पढ़ा था कि स्मार्ट कैमरों का इस्तेमाल अपनी आंखों के रूप में करना है।

MITRA: कैमरा मत कहो। ये हमारी छोटी आंखें हैं जो शानदार प्रदर्शन करती हैं।

#म्यूजिक इफेक्ट #

आलिया: समझ गए... मैं तो समझ गयी...

रंजन: यूरेका... यूरेका...

MITRA: तुम ठीक तो हो? क्या तुम रास्ता ढूंढ कर आश्चर्यचकित हो कि एचएम विजन सिस्टम का इस्तेमाल करके चारो तरफ इसे लगा सकते हैं?

आलिया: मैं ठीक हूं और जो MITRA कह रहा है, वह किसी यूरेका से कम नहीं है। विस्ज्न सिस्टम से मेरे ख्याल से डिफेक्टिव पीस ढूँढने में आसानी होगी।

राकेश: आलिया हमेशा हवा से अपने आइडिया लेती है।

MITRA: हवा से नहीं बल्कि मुझसे। AI मेरे विजन सिस्टम की क्षमता को बढ़ाती है, मुझे ज्यादा स्मार्ट और लचीला बनाती है और यह मेरे खुद की योग्यताओं को लगातार सुधारती है।

रंजन: या ... या .... 'जैसा नाम, वैसा काम' (हंसते हुए)

#भीड़ से ताली और हुटिंग कि आवाज #

MITRA: (हंसते हुए) 'हाथ कंगन को आरसी क्या' ये कहावत मेरे ऊपर सही बैठती है। डिफेक्टिव पीस को पहचानने में मुझे मुश्किल से 20 सेकंड का समय लगेगा। और हमारे 20 सेकंड शुरू होते हैं अब (हंसते हुए)

आलिया: वाह, बहुत खूब ....

MITRA: आपमें से कुछ ने मेरे कज़िन ALBERT के बारे में जरूर सुना होगा। वो प्रोडक्ट लाइन में विजुयाल डिटेक्शन का काम करता है।

रंजन: ALBERT !मैंने नहीं सुना ये नाम।

MITRA: मेरा यह कज़िन एक्सपर्ट है और किसी प्रोडक्ट को सीधे प्रोडक्शन लाइन से सीख लेता है और आटोमेटेड तौर पर इसकी क्वालिटी चेक करता है।

राकेश: यकीन नहीं होता कि कोई मशीन एक इंसान से बेहतर ये सब काम कैसे कर सकती है।

MITRA: तुम सही हो सकते हैं लेकिन ALBERT किसी प्रोडक्ट कि क्वालिटी के मूल्यांकन का ट्रेंड एक्सपर्ट है।

रंजन: क्या वो आलिया कि प्रोब्लम साल्व कर सकता है।

आलिया: आलिया की बहुत फिकर हो रही है (हंसते हुए)

रंजन: सिर्फ MITRA की जन्म कुंडली के लिए फिक्रमंद हूं (हंसते हुए)

MITRA: मेरी जन्म कुंडली प्रो. विवेक के हाथ में है।

आलिया: उनकी दिलचस्पी साइंस राइटिंग में है और वे साइंस करेस्पांडेंट बनना चाहते हैं।

MITRA: ओके, ये अच्छा फील्ड है और इसमें आगे बढ़िए। मैं कह रहा था कि किसी भी समय पर और एक आसान क्लिक से, ALBERT सीख सकता है कि कैसे एक नए प्रोडक्ट को छांटना है या बदलती प्रोडक्शन स्थितियों के अनुकूल होना है। वो खुद ही प्रोडक्शन कि क्वालिटी का चुनाव करता है।

 # दर्शकों के बीच से तालियों और हुटिंग कि ध्वनि #

डॉ. रितिका: सज्जनों, यह दरअसल मिस्टर MITRA कि तरह बनने का एक रोमांचक समय है (हंसते हुए)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर और ज्यादा रिसर्च के साथ हम भविष्य में एक बेहतर विजन सिस्टम टेक्नॉलजी कि उम्मीद कर सकते हैं। मैं सभी पार्टीसीपेंट्स को उनके महत्वपूर्ण विचारों के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। एक बार फिर से आप सभी का धन्यवाद।

 # ताली / सीटी / हूटिंग का साउंड इफेक्ट #

 # टाइटल सांग का अंतिम हिस्सा #